Model Set-2

खण्ड क (अपठित अवबोधनम्) अंक-13

1. रामकृष्ण परमहंसस्य प्रमुखः शिष्यः स्वामी विवेकानन्दः आसीत्। एकदा सः अमेरिका देशे भारतीय संस्कृत्याः प्रचारं करोति स्मा तत्र कश्चन् श्रोता तस्योपरि उपहासपूर्वकम् उक्तवान्- अहो! भारतीय संस्कृत्याः विसंगतिः। लक्ष्म्याः वाहनम् उलूकः सरस्वत्याश्चय वाहनं हंसः इति।'' विवेकानन्दः तम् अवदत्- ''एष एव अस्माकं भवतां च मध्ये चितनभेदः दृष्टभेदश्च। अस्याः आशयः यत् धनाधीनाः जनाः उलूकवत् आचरन्ति, विवेकम् आश्रितः नरः एव विद्वान् भवति। अतएव सरस्वत्याः वाहनं हंसः लक्ष्म्याः वाहनम् उलूकः इति।''

1. (क) एक पद में उत्तर दें। 1 x4= 4

(i) सरस्वत्याः वाहनम् किम् अस्ति?

(ii) लक्ष्म्याः वाहनम किम् अस्ति?

(iii) रामकृष्णपरमहंसस्य शिष्यः कः आसीत्?

(iv) सर्वदा उलूकवत् के आचरन्ति?

(ख) पूर्णवाक्य में उत्तर दें। 2 x2= 4

(i) श्रोता विवेकानन्दम् किम् उक्तवान्?

(ii) विवेकानन्दः अमेरिका देशे किं करोतिस्म?

(ग) निर्देशानुसार उत्तर दें। 1 x4= 4

(i) 'अस्माकम्' इति पदं केभ्यः प्रयुक्तम्?

(ii) 'नरः' इति कर्तृपदस्य क्रियापदम् अत्र किं प्रयुक्तम्?

(iii) 'तस्योपरि' इत्यस्य पदस्य सन्धि-विच्छेद कृत्वा लिखत।

(iv) 'उक्तवान्' पदे कः प्रत्ययः?

(घ) अस्य गद्यांशस्य कृते उपयुक्तं शीर्षकं लिखत।

https://www.evidyarthi.in/

खण्ड 'ख'

रचनात्मककार्यम् पत्र-लेखनम् (15 अंकाः)

2. छात्रवृति प्राप्ति हेतु प्राचार्य के प्रति लिखे गए आवेदन-पत्र के रिक्त स्थानों की पूर्त्ति मञ्जूषा में दिए गए शब्दों से करें।

सेवायाम्

श्रीमान् प्राचार्य महोदयः

राजकीय उच्च विद्यालयः मुजफ्फरपुरम्

विषयःछात्रवृत्तिः प्राण्तत्यर्थम् आवेदन पत्रम्

महाशयः,

सविनय निवेदनम् अस्ति (i) अहं भवतां विद्यालये दशम (ii) छात्रः अस्मि्। मम पिता (iii)कृषकः अस्ति। मम माता (iv) अस्ति। काठिन्यनेन (v) जीवामि।

अतः (vi) प्रार्थना अस्ति, यत् भवन्तः (vii) छात्रवृति यच्छेयुः उपकारं च कुर्युः।

भवदीयः छात्रः

viii

दशमी कक्षा

मञ्जुषाः ऋषभकुमारः विनम्रा, पञ्चशतरूण्यकाणि, यत्,

कक्षायाः, अतिदीनः, सपरिवारं, अतिरूग्णाः

3. निम्नलिखित में से किसी एक पर सात वाक्यों में अनुच्छेद लिखेंः

(i) चलचित्रम् (ii)अस्माकं प्रियकविः (iii) होलिकोत्सवः

(iv) सत्संगतिः

खण्ड ('ग') अनुप्रयुक्त व्याकरणम् 32 अंकाः

4. (क) 'पो+अनः' (संधि करें।) 1

(ख) 'अन्वेषणम्' (संधि-विच्छेद करें) 1

https://www.evidyarthi.in/

(ग) 'अ+उ' से कौन सा नया वर्ण बनेगा? 1

(घ) 'वृद्धि संधि' का एक उदाहरण दें। 1

5. (क) 'पितृणाम्' किस विभक्ति का रूप है? 1

(i) चतुर्थी (ii) द्वितीया (iii) षष्ठी (iv) सप्तमी

(ख) 'मह्यम्' किस विभक्ति का रूप है? 1

(i) चतुर्थी (ii) सप्तमी (iii) तृतीया (iv) प्रथमा

(ग) 'साधु' शब्द रूप के तृतीया बहुवचन का रूप है? 1

(i) साधुनाम् (ii) साधुभिः (iii) साधुना (iv) साधुभ्याम्

6. (क) 'तिष्ठतु' किस धातु का रूप है? 1

(i) तिष्ठू (ii) स्था (iii) वर्त्त (iv) अस्

(ख) हन् धातु का लोट् लकार म॰ पु॰ एकवचन क्या होगा? 1

(i) जहि (ii) एहि (iii) हेन्ति (iv) मारय

7. (क) 'उपहार' में किस उपसर्ग का प्रयोग हुआ है? 1

(ख) किस शब्द में 'वि' उपसर्ग नहीं है? 1

(i) व्यर्थः (ii) वेदना (iii) विशेषः (iv) विरामः

8. (क) 'आ+दा+ल्यप्' के योग से कौन सा शब्द बनेगा? 1

(i) आपदा (ii) आदाय (iii) आदिय (iv) आदाया

(ख) 'नीतः' पद में कौन सा कृदन्त प्रत्यय है ? 1

(i) क्तवत् (ii) क्त्वा (iii) क्त (iv) ल्यप्

9. (क) श्रीमान का स्त्रीलिंग रूप क्या होगा? 1

(i) श्रीमती (ii) श्रीमति (iii) श्रीमता (iv) श्रीमत्

(ख) 'गायिका' में कौन सा स्त्री-प्रत्यय है?

(i) डाप् (ii) चाप् (iii) टाप् (iv) ङीप्

10. (क) गौरी में कौन-सा स्त्री प्रत्यय है? 1

https://www.evidyarthi.in/

(i) ङीप् (ii) ङीष् (iii) टाप् (iv) ङीन्

(ख) 'पा+तुमुन्' से कौन सा शब्द बनेगा? 1

(i) पीतुम् (ii) पातुम् (iii) पिवितुम्(iv) पितुम्

11. (क) पंचतंत्रम् का समास विग्रह करें? 1

(ख) 'दिनम् दिनम' का समस्त पद बनाए। 1

(ग) 'पितरौ' में कौन-सा समास है? 1

(घ) 'बहुब्रीहि समास' का एक उदाहरण लिखें 1

12. (क) सहार्थे तृतीया सूत्र की सोदाहरण व्याख्या करें 2

(ख) 'सः व्याघ्रात् विभेति'- यहाँ 'व्याघ्रात्' में कौन सी विभक्ति है? 2

13. निम्नलिखित वाक्यों में किन्दी सात का अनुवाद संस्कृत में करें: 7 x1= 7

(क) नदियों में गंगा सबसे पवित्र है।

(ख) परिश्रम का फल मीठा होता है।

(ग) राजा दशरथ के चार पुत्र थे।

(घ) बिहार राज्य की राजधानी पटना है।

(ङ) ब्राह्मण को गाय दो।

(च) दौड़ते हुए घोड़े से वह गिर गया।

(छ) मोहन को आम पसंद है।

(ज) यह नदी कोश भर टेढ़ी है।

(झ) सीता के साथ लक्ष्मण भी वन गए।

(ञ) छात्रों को मन लगाकर पढ़ना चाहिए।

खण्ड 'घ' (पढित अवबोधनम्) 40 अंका:

14. निम्नांकित गद्यांशों का अनुवाद हिंदी में करें 3 x2= 6

(क) विजयनगरराजस्य नरेशाः संस्कृतभाषासंरक्षणाय कृतप्रयासा आसन्निति विदितमेव।

https://www.evidyarthi.in/

(ख) केशान्तसंस्कारे गुरूगृहे एव शिष्यस्य प्रथमं क्षौरकर्म भवति स्म। अत्र गोदानं मुख्यं कर्म।

(ग) वर्त्तमाने संसारे प्रायशः सर्वेषु देशेषु उपद्रवः अशान्तिर्वा दृश्यते।

15. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दे:- 4 x1= 4

(क) गाँधी सेतु कुत्र अस्ति?

(ख) मैथिलकोकिलः कः कथ्यते।

(ग) बलपूर्वकं कः निवारणीयः?

(घ) 'सत्यार्थप्रकाशः' कस्य रचना अस्ति?

16. अलसकथा पाठ के आधार पर धूर्त लोगों की पहचान कैसे हुई? 3

17. पथिक को फँसाने के लिए वृद्ध व्याघ्र ने क्या-क्या तर्क दिया? 3

18. निम्नलिखित श्लोकों का अर्थ हिंदी में लिखें 2 x2= 4

(क) हिरण्यमयेन पात्रेण सत्यास्यापिहितं मुखम्।
तत्त्वं पूषन्नपावृणु सत्यधर्माय दृष्ट्ये।।

(ख) आलस्यं हि मनुष्याणां शरीरस्थो महान्रिपुः।
नास्त्युद्यम् समो बन्धुः कृत्वा यं नावसीदति।।

19. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखें: 4 x1= 4

(क) कः अणोः अणीयान्?

(ख) उर्ध्वबाहवः के सन्ति?

(ग) नरकस्य कियद् द्वारं परिगणितम्?

(घ) कस्य महिमा सर्वत्र गीयते?

20. कर्ण के नमस्कार करने पर भी इंद्र ने उसे दीर्घायु होने का आशीर्वाद क्यों नहीं दिया? 3

21. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या करें:- 3

https://www.evidyarthi.in/

जटाजिनधराः काले वल्कलोत्तरवाससः।

ऋषयस्त्ववगाहन्ते नदीं मन्दाकिनीं प्रिये।।

22. (क) 'भारतमहिमा' पाठ का सारांश लिखें 3

(ख) अधोलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों के आधार पर प्रश्न निर्माण करें:-

(i) भारतवर्षे शास्त्राणां महती परम्परा श्रूयते। 1

(ii) अद्य युष्माकं परिचयः संस्कृतशास्त्रैः भविष्यति। 1

(iii) जैमिनिना मीमांसादर्शनं प्रणीतम्। 1

23. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में एक पद में दें:- 4 x1= 4

(क) याज्ञवल्क्यस्य पत्नी का आसीत्?

(ख) रामप्रवेशस्य ग्रामस्य नाम किम् अस्ति?

(ग) क्रियां विना किं भारः?

(घ) शिक्षा कां बोधयति?

https://www.evidyarthi.in/

मॉडल सेट-02

उत्तराणि

खण्ड (क) (अपदित अवबोधनम्)

1. (क) (i) हंसः (ii) उलूकः (iii) विवेकानन्दः (iv) धनाधीनाः

(ख) (i) श्रोता विवेकानंदम् उक्तवान- ''अहो! भारतीय संस्कृत्याःविसंगतिः।
लक्ष्म्याः वाहनम् उलूकः सरस्वत्याश्च वाहनम् हंसः इति''

(ii) विवेकानन्दः अमेरिका देशे भारतीय संस्कृत्याः प्रचारं प्रसारं करोति स्म।

(ग) (i) भारतीयेभ्यः (ii) भवति (iii) तस्य+उपरि (iv) क्तवतु

(घ) विवेकानन्दस्य महानता

खण्ड ख- (रचनात्मककार्यम्- पत्रलेखनम्)

2. (i) यत् (ii) कक्षायाः(iii) अतिदीनः (iv) अतिरूग्णा

(v) सपरिवारं (vi) विनम्रा (vii) पञ्चशतरूपयकाणि (viii)ऋषभकुमारः

3. **चलचित्रम्**

सर्वेषु प्रचलितेषु साधनेषु चलिचत्रम् प्रधानम् अस्ति। अनेन शिक्षायाः प्रचारः प्रसारश्च क्रियते। बहुविधान् विनोदान् अवलोक्य जनाः प्रसन्नाः भविन्त। जनानां कृते बहवः लाभाः भवन्ति। छात्राणां कृते अधिकं समयं चलचित्रं मा भवेत्। समयानुसारेण एव चलचित्रं द्रष्टव्यम्। अस्याः सदुपयोगः करणीया।

अस्माकं प्रियकविः

अस्माकं प्रियकविः कालिदासः अस्ति। सर्वेषु कविषु सः श्रेष्ठः अस्ति। मेघदूतम्, कुमारसंभवम्, रघुवंशम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम् इत्यादयः अस्य कवेः रचनाः सन्ति। नाटकेषु अभिज्ञानशाकुन्तलम् श्रेष्ठम् अस्ति। विश्व-साहित्य क्षेत्रे अस्य प्रतिष्ठा सर्वतो विशिष्टा। खण्डकाव्येषु मेघदूतमतिप्रसिद्धम्। उपमा कालिदासस्य'' इतिप्रसिद्धः।

https://www.evidyarthi.in/

होलिकोत्सवः

हर्षोल्लासयोः महत् पर्वः 'होली' अस्माकं राष्ट्रीयः महोत्सवः वर्त्तते। प्रतिवर्षम् चैत्रकृष्ण प्रतिपदायां होलिकोत्सवः आयोज्यते। अस्मिन पर्वे जनाः मिथः रंगम् अबीरम् च आलपन्ति। सर्वे गृहे बहुविधानि पक्वानि अन्नानि भुज्यन्ते भोजयन्ते च। एतत् पर्वम् राष्ट्रीयएकतायाः प्रतीकम् अस्ति। अयं महोत्सवः सर्व भेदभावं नाशयति। सत्यमिदम् कथ्यते यत् पर्वेषु श्रेष्ठः होलिकोत्सवः अयम्।

सत्संगतिः

सतां संगतिः सत्संगतिः उच्यते। कुसंगः दोषाय सुसंगतिः गुणाय एव भवति। सतां संगम सर्व मंगलम् आप्नोति। कीटोऽपि सुमनः संगात् सतां शिरः आरोहति। मूर्खः सत्संगत्या प्रवीणतां याति। सत्पुरूषस्यधियः जाड्यं हरति, वाचि सत्यं सिञ्चति, चेतः प्रसादयति च । अतएव सत्संगतिः कर्त्तव्यः।

खण्ड 'ग' (अनुप्रयुक्त व्याकरणम्)

4. (क) पवनः (ख) अनु+एषणम् (ग) ओ (घ) एक+एकम्=एकैकम् एवं अन्य
5. क (iii)- षष्ठी (ख) (i)-चतुर्थी (ग) (ii)-साधुभिः
6. (क) (ii) स्था (ख) (i)-जहि
7. (क) उप (ख) (ii)- वेदना
8. (क) (ii) आदाय (ख) (iii)- क्त
9. (क) (i)-श्रीमती (ख) (iii)- टाप्
10. (क) (ii)-ङीष् (ख) (ii)- पातुम्
11. (क) पञ्चानां तन्त्राणां समाहारः
    (ख) प्रतिदिनम्
    (ग) द्वन्द्व
    (घ) चन्द्रशेखरः आदि

https://www.evidyarthi.in/

12. (क) सह, साकम्, समम्, सार्धम् (साथ में) के योग में अप्रधान कर्त्ता में तृतीया विभक्ति होती है।

जैसे रामेण सह सीता वनं गता।

(ख) पंचमी

13. (क) नदीसु गंगा पवित्रतमा अस्ति।

(ख) परिश्रमस्य फलं मधुरं भवति।

(ग) राजः दशरथस्य चत्वारः पुत्राः आसन्।

(घ) बिहारराज्यस्य राजधानी पाटलिपुत्रम् अस्ति।

(ङ) विप्राय गां देहि/यच्छ।

(च) धावन्तः अश्वात् सः अपतत्/पतितः।

(छ) मोहनाय आम्रं रोचते।

(ज) इयं नदी क्रोशं कुटिला अस्ति।

(झ) सीतया सह लक्ष्मणः अपि वनं गतः।

(ञ) छात्राः मनसा पठेयुः।

खण्ड (घ)- पठति अवबोधनम्)

14. (क) विजयनगर राज्य के राजाओं ने संस्कृतभाषा की रक्षा के लिए जो प्रयास किए थे उसे सभी जानते हैं।

(ख) केशान्त संस्कार में गुरू के घर में ही शिष्य का पहला मुंडन होता था। यहाँ मुख्य कर्म गोदान है।

(ग) वर्त्तमान संसार में प्रायः सभी देशों में उपद्रव एवं अशान्ति देखी जा रही है।

15. (क) पाटलिपुत्रे (ख) विद्यापति

(ग) स्वार्थोपदेशः (घ) दयानन्दस्य

https://www.evidyarthi.in/

16. आलसी लोगों के सुख को देखकर धूर्त्त भी छल से भोजन प्राप्त करने लगे। धूर्त्त लोगों की पहचान के लिए सोए हुए आलसियों के घर में आग लगा दी गई। धूर्त्त लोग घर में लगे हुए आग को देखकर भाग गए।

17. पथिक लोभी तथा चालाक था। उसे फँसाने के लिए बूढ़े बाघ ने कहा कि मैं युवावस्था में बहुत हिंसक था। मेरे द्वारा अनेक गायों और मनुष्यों का वध किया गया जिसके कारण पुत्र और पत्नी असमय ही मर गए। अब मैं निर्वंश हूँ। किसी धार्मिक व्यक्ति के उपदेश का पालन कर अब मैं स्वच्छ हृदयवाला दानी और गले हुए नाखून और दाँत वाला बूढ़ा हो गया हूँ। अतः अब मुझपर विश्वास किया जा सकता है।

18. (क) हे सूर्य! सत्य का मुख सोने के आवरण से ढँका हुआ है। इसलिए सत्य और धर्म के ज्ञान के लिए उस आवरण को आप हटा दें।

(ख) मनुष्यों के शरीर में स्थित आलस्य ही सबसे बड़ा शत्रु है। परिश्रम के समान दूसरा कोई भाई नहीं है जिसे करके कोई दुःखी नहीं होता है।

19. (क) आत्मा अणोः अणीयान्।

(ख) मुनयः उर्ध्वबाहवः सन्ति।

(ग) नरकस्य त्रीणि द्वाराणि परिगणितम्।

(घ) भारतस्य महिमा सर्वत्र गीयते।

20. कर्ण के नमस्कार करने पर भी इंद्र ने उसे दीर्घायु होने का आशीर्वाद इसलिए नहीं दिया क्योंकि इंद्र का ऐसा आशीर्वाद कर्ण को युद्ध में विजयी होने के समान होता। कर्ण अर्जुन से भी श्रेष्ठ धनुर्धर था। यदि आशीर्वाद से वह जीवित रहता तो युद्ध में विजय कर्ण की ही होती। अतएव इंद्र ने दीर्घायु होने का आशीर्वाद कर्ण को उसके प्रणाम करने पर भी नहीं दिया।

21. प्रस्तुत श्लोक हमारी पाठ्य-पुस्तक 'पीयूषम' भाग-2 के शीर्षक पाठ 'मंदाकिनीवर्णनम्' से लिया गया है। इसमें आदिकवि महर्षि वाल्मीकि ने मंदाकिनी नदी का यथार्थ प्राकृतिक चित्रण किया है। वनवास-प्रसंग में जब भगवान श्रीराम,

https://www.evidyarthi.in/

लक्ष्मण और माता सीता चित्रकूट पहुँचते हैं तो वहीं मन्दाकिनी नदी दिखाई पड़ती है जो अति मनोहारिणी है। श्रीराम उस नदी की विशेषता बताते हुए सीता से कहते हैं कि हे सीते। इस समय जटा और मृगचर्म को ही वस्त्र के रूप में धारण करने वाले ऋषिगण मन्दाकिनी नदी में स्नान करते हैं जिससे यह नदी पवित्र हो गई है।

22. भारत की प्राकृतिक सुंदरता स्वर्ग जैसी है। यह देवताओं, ऋषियों एवं महापुरूषों की अवतरण भूमि है। इसकी महिमा का वर्णन विष्णु पुराण एवं भागवत पुराण में भी मिलता है। भारत-भूमि पर अवतरित होने वाला मानव निश्चित ही धन्य है। हमारी भारत-भूमि विशाल, रमणीय और कल्याण प्रदान करने वाली है। अत्यंत शोभनीय और संसार का गौरव भारत हमसबों के द्वारा सदैव पूजनीय है। यहाँ धर्म, जाति के भेदों को भूलाकर एकता एवं सहिष्णुता का पाठ पढ़ाया जाता है। हम भारतीय सदैव कहते हैं- ''वसुधैव कुटुम्बकम!'' अर्थात संपूर्ण पृथ्वी परिवार के समान हैं।

(ख) (i) भारतवर्षे केषाम् महती परम्परा श्रूयते?

(ii) अद्य केषाम् परिचयः संस्कृतशास्त्रैः भविष्यति?

(iii) केन मीमांसादर्शनं प्रणीतम्?

23. (क) मैत्रेयी (ख) भीखनटोला

(ग) ज्ञानम् (घ) कर्त्तव्यमकर्त्तव्यम्

https://www.evidyarthi.in/